भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1106

गुरूवार, 15 दिसम्बर, **202**2/24 अग्रहायण, **194**4 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पश्चिमी बंगाल के बारह शक्तिपीठों का विकास

1106. श्रीमती शांता क्षत्रीः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या स्वदेश दर्शन योजना के तहत पश्चिमी बंगाल के बारह शक्तिपीठों के विकास पर विचार किया गया है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय (एमओटी) ने अपनी 'स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस)' के तहत देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए 76 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की हैं। योजना के तहत परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ क्षेत्र प्रशासनों (यूटी) के परामर्श से की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशा-निर्देशों के अनुपालन और पूर्व में जारी की गई निधियों के उपयोग आदि की शर्त पर स्वीकृत की जाती है। पश्चिम बंगाल की 12 शक्ति पीठें एसडीएस के तहत स्वीकृत परियोजनाओ में शामिल नहीं है, यद्यपि, इस मंत्रालय ने एसडीएस के तहत पश्चिम बंगाल राज्य में 67.99 करोड़ रुपये की राशि से तटीय परिपथ का विकासः उदयपुर-दीघा-शंकरपुर-ताजपुर-मंदारमणि-फ्रेसरगंज-बक्खलाई-हेनरी द्वीप की एक परियोजना को स्वीकृत किया है।

*****